हिंदी विभाग

त्रिपुरा विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा-799022

पी-एच.डी. कोर्स वर्क पाठ्यक्रम

(वर्ष 2020 – 2021 से प्रभावी)

Scanned by CamScanner

त्रिपुरा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
सूर्यमणिनगर

पी-एच. डी. कोर्स वर्क – पाठ्यक्रम

प्रथम पत्र : शोध प्रविधि- 1 **कोर्स कोड : PHD-9001**

क्रेडिट : 4

इकाई-1. मात्रात्मक/गुणात्मक शोध प्रविधि

i. साहित्य में शोध प्रविधि का महत्व
ii. शोध की परिभाषा एवं प्रकार, शोध का उद्देश्य एवं प्रारूप
iii. साहित्य एवं भाषा में शोध की पद्धति एवं कार्यप्रणाली
iv. भाषिक अध्ययन में शोध प्रविधि का महत्व

इकाई-2. संगणक अनुप्रयोग

i. एमएस वर्ड, पीपीटी प्रस्तुति, वर्ड से पीडीएँफ़ में परिवर्तन
ii. प्रूफ रीडिंग एवं कॉपी संपादन
iii. साहित्यिक चोरी रोकने हेतु सॉफ्टवेयर का उपयोग

इकाई-3. शोध नैतिकता

i. साहित्यिक चोरी- विरोधी, कॉपीराइट
ii. शोध-प्रबंध के प्रलेखीकरण सम्बन्धी श्रोत की अभिस्वीकृति, ग्रन्थ सूची-निर्माण

सहायक ग्रन्थ :

1. अनुसंधान और आलोचना, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. अनुसंधान के मूल तत्व, विश्वनाथ प्रसाद, कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ, आगरा
3. अनुसन्धान प्रविधि: प्रक्रिया और सिद्धांत, एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. शोध पद्धतियाँ, डॉ. बी.एल.फड़िया, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स
5. शोध और समीक्षा, डॉ. परमेश्वरी लाल गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. रिसर्च इथिक्स, डॉ. सुमंत दत्त, भारती पब्लिकेशन
7. रिसर्च इन लिटरेचर एंड लैंग्वेज, एच.वी. देशपांडे, नेशन प्रेस
8. रिसर्च मेथड इन लिटरेचर : एन इंट्रोडक्शन, डॉ. विजयकुमार अम्बदासराव पाटिल, ऑथर प्रेस

Scanned by CamScanner

त्रिपुरा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
सूर्यमणिनगर

द्वितीय पत्र : शोध प्रविधि- 2

कोर्स कोड : PHD-9002
क्रेडिट : 4

इकाई-1. समीक्षा/ आलोचना : प्रकाशित शोध

i. साहित्य सर्वेक्षण
ii. किसी एक प्राथमिक स्रोत की पुस्तक समीक्षा
iii. किसी एक द्वितीयक स्रोत की पुस्तक समीक्षा

इकाई-2. प्रशिक्षण एवं क्षेत्र कार्य

i. पुस्तकालय/अभिलेखागार/क्षेत्र प्ररिभ्रमण
ii. प्रश्नावली निर्माण
iii. साक्षात्कार, रिकार्डिंग, अनुवाद, लिप्यांतरण तथा विश्लेषण

इकाई-3. संप्रेषण कौशल

i. शाब्दिक/ गैर-शाब्दिक कौशल
ii. साक्षात्कार कौशल
iii. प्रभावी प्रस्तुति कौशल

सहायक ग्रन्थ :

1. शोध प्रविधि, मैथिलि प्रसाद भारद्वाज, आधार प्रकाशन, पंचकूला
2. शोध प्रविधि, डॉ. विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. रिसर्च मेथॅडोलॉजी, सी.आर. कोठारी, गौरव गर्ग, न्यू ऐज इंटरनेशनल पब्लिशर्स
5. रिसर्च डिजाईन, जॉन डब्ल्यू. क्रेस्वेल्ल एंड जे. डेविड क्रेस्वेल्ल, सेज पब्लिकेशन

Scanned by CamScanner

त्रिपुरा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
सूर्यमणिनगर

तृतीय पत्र : शोध के अधुनातन क्षेत्र **कोर्स कोड : PHD-9003**

क्रेडिट : 4

इकाई-1. लोक साहित्य- अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार, भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, संकलन एवं संरक्षण की समस्याएँ एवं उपाय

इकाई-2. समकालीन विमर्श : संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, जनजातीय विमर्श और प्रवासी विमर्श

इकाई-3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य : स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक आन्दोलन, समकालीन साहित्य का परिदृश्य, नई कविता, नई कहानी, नाटक एवं रंगमंच तथा अन्य गद्य विधाएँ

सहायक ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहबाद
2. लोक साहित्य विज्ञान, सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दलित साहित्य की अवधारणा, कंवल भारती; बोधिसत्व प्रकाशन, रामपुर
5. स्त्री संघर्ष का इतिहास, राधा कुमार
6. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, जगदीश्वर चतुर्वेदी
7. 'आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन' (आदिवासी दर्शन और साहित्य), 2003
8. झारखंड के आदिवासियों के बीच एक एक्टिविस्ट के नोट्स, वीर भारत तलवार, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
9. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, विद्या चौहान, प्रगति प्रकाशन, दिल्ली
10. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्यवाद, गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
11. कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
12. नई कविता, देवराज, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
13. नई कविता और अस्तित्ववाद, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. नई कविता की भूमिका, डॉ. प्रेमशंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

Scanned by CamScanner

त्रिपुरा विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
सूर्यमणिनगर

.....

चतुर्थ पत्र : प्रायोगिकी

कोर्स कोड : PHD-9004

क्रेडिट : 4

इस पत्र के अंतर्गत शोधार्थी को एक संगोष्ठी प्रपत्र एवं एक पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत करनी होगी|

अथवा

अपनी रुचि के शोध विषय पर लगभग 50 पृष्ठों की एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी|

Scanned by CamScanner